

# Godi mein utha lo meri Maa Gajanan chhote hain Lyrics in Hindi and English

Godi mein utha lo meri Maa Gajanan chhote hain Lyrics in Hindi

गोदी में उठा लो मेरी मां गजानन छोटे हैं

मेरे गजानन का छोटा सा माथा  
तिलक लगा दो मेरी मां गजानन छोटे हैं

मेरे गजानन का छोटा सा गला है  
हार पहना दो मेरी मां गजानन छोटे हैं

मेरे गजानन के छोटे-छोटे हाथ हैं  
कंगन पहना दो मेरी मां गजानन छोटे हैं

मेरे गजानन के छोटे-छोटे पांव हैं  
पायल पहना दो मेरी मां गजानन छोटे हैं

मेरे गजानन के छोटे-छोटे अंग हैं  
पीताम्बर पहना दो मेरी मां गजानन छोटे हैं

मेरे गजानन का छोटा सा मुख है  
मोदक खिला दो मेरी मां गजानन छोटे हैं

Godi mein utha lo meri Maa Gajanan chhote hain Lyrics in English

Godi mein utha lo meri Maa Gajanan chhote hain

Mere Gajanan ka chhota sa maatha  
Tilak laga do meri Maa Gajanan chhote hain

Mere Gajanan ka chhota sa gala hai  
Haar pehna do meri Maa Gajanan chhote hain

Mere Gajanan ke chhote-chhote haath hain  
Kangan pehna do meri Maa Gajanan chhote hain

Mere Gajanan ke chhote-chhote paon hain  
Payal pehna do meri Maa Gajanan chhote hain

Mere Gajanan ke chhote-chhote ang hain  
Peetambar pehna do meri Maa Gajanan chhote hain

Mere Gajanan ka chhota sa mukh hai  
Modak khila do meri Maa Gajanan chhote hain

About Godi mein utha lo meri Maa Gajanan chhote hain Bhajan  
in English

“Godi Mein Utha Lo Meri Maa Gajanan Chhote Hain” is a heartfelt and devotional bhajan dedicated to Lord Ganesha, portraying him in his childlike innocence. The bhajan expresses the deep love and affection of a devotee for Lord Ganesha, who is depicted as a small, innocent child. Each verse highlights a specific aspect of Lord Ganesha’s small, adorable form, emphasizing his purity and divine qualities.

Breakdown of the Bhajan:

Lord Ganesha as a Child: The bhajan starts with the devotee requesting Lord Ganesha’s mother (Maa Parvati) to lift him in her lap, acknowledging that Ganesha is a small, innocent child. This portrays Lord Ganesha as the beloved child of Goddess Parvati, who is cherished and adored.

Physical Features of Lord Ganesha: The lyrics describe the smallness of various parts of Lord Ganesha’s body, such as his forehead, neck, hands, feet, and his entire form. The devotee requests the mother to adorn Ganesha with blessings like tilak, a garland (haar), bangles (kangan), anklets (payal), and yellow attire (peetambar), emphasizing his purity and innocence.



Innocence and Devotion: The bhajan highlights Lord Ganesha's gentle, innocent nature through references to his small, delicate features, inviting the listener to see him not only as a deity but also as a beloved child, deserving of love, care, and affection.

Divine Blessings and Offerings: The devotee also prays for Lord Ganesha to be offered his favorite sweet, modak, symbolizing the devotion and reverence shown by the worshiper. It signifies the offerings made to Lord Ganesha, highlighting his importance in the lives of devotees.

This bhajan is an expression of pure devotion, painting a picture of Lord Ganesha as an innocent child. It evokes a sense of tenderness, love, and warmth, and it invites the listener to connect with the divine through feelings of affection and care. The devotional act of offering Ganesha various blessings and adornments is a symbolic act of love and reverence towards the child-like deity, whose divine blessings are believed to bring joy, prosperity, and success to his devotees.

## About Godi mein utha lo meri Maa Gajanan chhote hain Bhajan in Hindi

“गोदी में उठा लो मेरी मां गजानन छोटे हैं” एक भक्ति भजन है जो भगवान गणेश को उनके बाल रूप में प्रस्तुत करता है। इस भजन में भगवान गणेश की मासूमियत और छोटे रूप को दर्शाते हुए भक्तों का गहरा प्रेम और भक्ति व्यक्त की गई है। हर एक पद में भगवान गणेश के छोटे अंगों का वर्णन किया गया है, जैसे उनका छोटा सा माथा, गला, हाथ, पैर, और अन्य अंग, जो उनकी शुद्धता और निर्दोषता को दर्शाते हैं।

**भजन का सारांश :**

भगवान गणेश का बाल रूप : भजन की शुरुआत भगवान गणेश को उनकी मां पार्वती के आंचल में गोदी में उठाने की प्रार्थना से होती है। इस भजन में भगवान गणेश को एक छोटे और मासूम बच्चे के रूप में दर्शाया गया है, जिन्हें उनकी मां की गोदी में सुरक्षित और प्यारे रूप में रखा जाता है।

भगवान गणेश के छोटे अंग : भजन में भगवान गणेश के शरीर के छोटे-छोटे अंगों का सुंदर वर्णन किया गया है जैसे उनका छोटा सा माथा, छोटा सा गला, छोटे-छोटे हाथ और पैर। हर अंग के लिए भक्त अपनी श्रद्धा और प्रेम व्यक्त करते हुए भगवान से आशीर्वाद की कामना करते हैं।

भगवान गणेश का आभूषण और पूजा : भजन में भगवान गणेश को तिलक, हार, कंगन, पायल और पीताम्बर पहनाने की प्रार्थना की जाती है। यह सभी पूजा की सामग्रियाँ उनकी दिव्यता और सम्मान को दर्शाती हैं।

भगवान गणेश के प्रति प्रेम और भक्ति : भजन में भगवान गणेश के प्रति गहरी भक्ति और प्रेम की भावना व्यक्त की जाती है। भक्त भगवान गणेश के प्रिय व्यंजन मोदक का भोग लगाने की भी प्रार्थना करते हैं, जो भगवान गणेश को बहुत पसंद है।

यह भजन भगवान गणेश के बाल रूप को विशेष रूप से सजीव और प्यारा बनाता है, जिससे भक्तों को उनके प्रति एक गहरी जुड़ाव और भावनात्मक कनेक्शन महसूस होता है। इस भजन के माध्यम से भगवान गणेश के प्रति मासूम और शुद्ध प्रेम व्यक्त किया जाता है, जो उनके आशीर्वाद और कृपा की प्राप्ति का मार्ग है।